राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–90/2026

राज्यपाल ने बिहार ए०आई० समिट में भाग लिया

पटना 24 मई, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने ऊर्जा ऑडिटोरियम, पटना में आयोजित बिहार ए०आई० समिट, 2026 के समापन समारोह में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समाज के कार्य करने के तरीके में व्यापक परिवर्तन ला रहा है और यह लोगों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

उन्होंने कहा कि बिहार ने एआई जैसे महत्वपूर्ण विषय को महत्वाकांक्षा और जिम्मेदारी, दोनों के साथ अपनाने का निर्णय लिया है। बिहार देश के सबसे युवा राज्यों में से एक है और युवाओं की तकनीक के प्रति सहज समझ और स्वाभाविक रुचि राज्य को डिजिटल और तकनीकी विकास में विशेष बढ़त प्रदान करती है।

राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकता है। कृषि क्षेत्र में एआई फसल योजना, जल प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान, आपदा पूर्व चेतावनी तथा किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध हो सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित डायग्नोस्टिक्स और टेलीमेडिसिन बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिगत सीखने की प्रणाली गुणवत्ता और पहुँच के अंतर को कम करने में सहायक हो सकती है।

इस अवसर पर बिहार की समृद्ध ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नालंदा, विक्रमशिला, राजगीर और चाणक्य की विरासत बिहार को ज्ञान और सभ्यता का ऐतिहासिक केंद्र बनाती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक के बीच सेतु का कार्य कर सकता है। इसके लिए डेटा संग्रह, डेटा प्रबंधन, इंटरनेट पहुँच और डिजिटल आधारभूत संरचना को मजबूत बनाना आवश्यक होगा।

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि पिछले दो दशकों में आधारभूत संरचना, कानून–व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं में हुई प्रगति के बाद बिहार को अब सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नई क्रांति की ओर अग्रसर होना चाहिए है।

.....